ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड V अंक 11 फरवरी-2014

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- अभिनव कृषिउद्यमियों का कृषि वसंत - 2014 में सम्मान
- महीने के कृषिउद्यमी श्री. एस इन्नासिमुथू
- महीने का संस्थान - साधना के.वी.के. - अमरावती

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 -425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

अभिनव कृषिउद्यमियों का राष्ट्रीय कृषि मेला एवं प्रदर्शनी कृषि वसंत - 2014 में सम्मान

अब तक की सबसे बड़ी खेत प्रदर्शनी कृषि वसंत-2014, का शुभारंभ राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा एक शानदार उद्घाटन समारोह में किया गया। राष्ट्रपति ने पिछले दस वर्षों में भारतीय कृषि के लिए उपलब्ध कराई गई 'नये आयाम और नई दिशा' की सराहना की, जिससे देश खाद्य सुरक्षा हासिल करने और खाद्यान्न के शीर्ष निर्यातक बन सका है। राष्ट्रपति ने कहा, "इस अवधि में देश के पूर्वी भाग में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए ले विशेष पहल की गई, दालों और तिलहन के उत्पादन और किसानों को ऋण के प्रावधान से देश में दूसरी कृषि क्रांति आई।". केंद्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री शरद पवार ने सभा में उपस्थित लोगों को सूचित किया, कि देश अब चावल के शीर्ष निर्यातक और गेहूं और कपास के दूसरे नंबर का निर्यातक बन गया है। प्रदर्शित फार्म मशीनरी, नई फसल की किस्मों और पशु नस्लों, खेत अनुसंधान के क्षेत्र में प्रगति, और उर्वरक और बीज के रूप में आदानों के प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम कार्य प्रणाली शामिल हैं। प्रदर्शनी का एक दिलचस्प पहलू था 92 सफल नवीन किसानों की भागीदारी। मैनेज ने आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मणिपुर, उत्तर प्रदेश से चौबीस अभिनव कृषिउद्यमियों की भागादीरी को सुगम बनाया।

पेज-4 पर जारी.....

राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान,

कृषि तथा सहयोग विभाग, कृषि मंत्रालय

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

कृषिउद्यमी श्री एस इन्नासिमुथू , मदुरै को सुंदर बनाने और शहरी कृषि को बढ़ावा देने के लिए तैयार

महिला स्वयं सहायक समूह के लिए नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित करते हुए श्री एस इन्नासिमुथू

वर्ष 1991 में तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान में डिप्लोमा पूरा करने के बाद श्री इन्नासिमुथू पहली बार जब मदुरै आये थे, तो वे मात्र 19 वर्ष के थे। उन्होंने अल्प वेतन वाली नौकरी से त्यागपत्र देने के बाद एक स्वनियोजित माली के रूप में छोटे काम से अपने कैरियर की शुरुआत की। उन्होंने कहा, "वे कुदाल किराये पर लेते थे और के. पुडुर तथा अथिकुलम आवसीय क्षेत्र में घर-घर जाकर बागवानी के लिए अपनी सेवाओं की पेशकश करते थे। बीस में से कम से कम तीन घरों में मुझे काम मिला।" धीरे-धीरे, इस संख्या में वृद्धि हुई। वर्ष 1994 में, भूमि का एक छोटा सा टुकड़ा खरीदने के बाद, उन्होंने अपने ही फर्म ग्रीन मदुरै नर्सरी गार्डन की शुरूआत की और सहायता के लिए 10 कुशल मजदूरों को भर्ती किया। इस बढ़ते व्यापार के दौरान, श्री इन्नासिमुथू वह उद्यमी योजना एवं व्यापार नेटवर्किंग पर अधिक जानकारी की जरूरत महसूस की। इस अवधि के दौरान उन्हें एसी और एबीसी योजना के बारे में पता चला। उन्होंने लोक सेवा स्वैच्छिक संघ (VAPS) मदुरई, में स्क्रीनिंग परीक्षा में योग्यता प्राप्त की और मार्च, 2010 में कोर्स में शामिल हो गये। कोर्स पूरा करने के बाद, नोडल प्रशिक्षण संस्थान, VAPS मदुरै और सिंडीकेट बैंक, मदुरै मुख्य शाखा से मार्च, 2013 में 20 लाख रुपये के लोन की सहायता से उन्होंने ग्रीन मदुरै फर्म नाम के एक कृषि उद्यम की स्थापना की। नाबार्ड से 36% की सहायता भी प्राप्त हुई।

ग्रीन मदुरै फर्म नर्सरी के माध्यम से विस्तृत और विभिन्न प्रकार के संयंत्र पौधों की पैदावार कर रही है और सभी फसलों के लिए उपयुक्त जैव खाद बेच रही है। फर्म भी भूनिर्माण और बागवानी पर परामर्श भी प्रदान कर रही है। फर्म मिट्टी की उर्वरता और पानी की गुणवत्ता मानकों के परीक्षण के लिए मृदा परीक्षण प्रयोगशाला से लैस है। यह पर्यावरण के अनुकूल सौर प्रौद्योगिकी को भी बढ़ावा देती है। ग्रीन मदुरै फर्म तमिलनाडु घरों, उद्योगों, सरकारी दफ्तरों, नदियों के आस-पास, सार्वजनिक पार्कों, शैक्षणिक संस्थानों के लिए सजावटी बागवानी सेवाओं के वितरण के अलावा एक प्रमुख परिदृश्य और पानी के फव्वारे प्रदाता और अनुरक्षक भी है।

फर्म के दायरे में मदुरै, डिंडीगुल, विरुधुनगर, शिवगंगैई और इरोड जिले के हिस्से शामिल हैं और सेवाओं का विस्तार चेन्नई और तिरुवनंतपुरम तक भी कर दिया गया है। फार्म हाउस विकसित करने और रखरखाव सेवाओं की पेशकश से 480 प्रगतिशील किसानों को कवर करने के अलावा फर्म 1500 मकान, 180 व्यवसायिक घरानों के लिए छत / घर की बागवानी सेवाएं प्रदान करता है। उद्यान लेआउट/भूनिर्माण और रखरखाव के काम पर उनकी नि:शुल्क सेवाएं पूर्व उल्लेखित जिलों में 40 शैक्षिक संस्थानों तक फैली हुई है। उन्होंने मदुरै शहर को ग्रीन मदुरै के रूप में बदलने के लिए मदुरै निगम सीमा के भीतर पूरे "वैगई" नदी के किनारों में घास के मैदान बनाये।

ग्रीन मदुरै का सालाना कारोबार अब 15 लाख रुपए के वार्षिक लाभ के साथ 45-50 लाख रुपए की राशि को पार कर चुका है। ग्रीन मदुरै ने लगभग 100 लोगों को प्रत्यक्ष और 450 लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान किया है। उनकी फर्म से तमिलनाडु भर में उन्नीस कुशल कार्यकर्त बागवानी / कृषि सेवाएं दे रहे हैं। उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियां लगभग सभी स्थानीय प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित हुए। सिंडीकेट बैंक ने उनकी इन सेवाओं के लिए उन्हें **'उत्तम ग्राहक अवार्ड'** से सम्मानित किया। मदुरै जिले एटीएमए ने कोट्टामपट्टी ब्लॉक में 39 गांव के परिवारों को “गिरि राजा” के पोल्ट्री नस्लों और मधुमक्खी के एक दिन पुराने चुजों के बक्सों के वितरण का काम शुरू करने के लिए ग्रीन मदुरै फर्म का चयन किया है।

अधिक जानकारी के लिए, श्री एस. इन्नासिमुथू को उनके मोबाइल: 093-441-03364 पर संपर्क किया जा सकता है: Email-greenmadurai@gmail.com, वेबसाइट: www.greenmadurai.com

कृषि विज्ञान केन्द्र साधना, अमरावती - विदर्भ में कृषिउद्यमिता को बढ़ावा

साधना कृषि विज्ञान केन्द्र ने 2008 से एसी और एबीसी योजना को लागू किया है। संस्थान चौदह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और 447 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया जिनमें से 155 ने सफलतापूर्वक ऐसी एग्री क्लीनिक, कृषि व्यापार केन्द्र, मुर्गी पालन, बकरी पालन, पशु चिकित्सा क्लीनिक, फार्म मशीनरी इकाइयों, सूक्ष्म पोषक तत्वों के उत्पादन, जैव उर्वरक, कृषि परामर्श, खाद्य प्रसंस्करण इकाई, डेयरी इकाई, बीज प्रसंस्करण एवं ग्रेडिंग आदि क्षेत्रों में कृषिउद्यम की स्थापना की है।

एसी और एबीसी के प्रचार के लिए संस्थान की कार्यप्रणाली:

• एसी और एबीसी योजना के कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए बैंकर्स, नाबार्ड और अन्य हितधारकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन, बैंकों के पास लंबित प्रस्तावों की समीक्षा करने और ऋण के लिए परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया का पुनःमूल्यांकन।

• कृषि व्यवसाय केन्द्रों की शुरुआत और नए कृषिउद्यम स्थापित करने की प्रक्रियागत औपचारिकताओं को पूरा करने में कृषिउद्यमियों के लिए व्यापार लाइसेंस प्राप्त करने में नियमित समर्थन।

• केवीके विशेषज्ञों की भागीदारी से प्रगति और समस्याओं पर चर्चा करने के लिए कृषिउद्यमियों के लिए मासिक बैठक का आयोजन औप 'कृषिउद्यमी समूहों के गठन को प्रोत्साहित करना।

• किताबें और अन्य प्रकाशनों के लिए पुस्तकालय की स्थापना

• प्रशिक्षुओं को एसी और एबीसी के दिशा निर्देशों, अध्ययन सामग्री, नाबार्ड, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, आत्मा, स्थापित कृषिउद्यमियों की सफलता की कहानियों की प्रायोजित योजनाओं, परियोजनाओं आदि के बारे में जानकारी के लिए डीवीडी प्रदान करना।

• महाराष्ट्र राज्य की 6.5 लाख हितधारकों के बीच 90.4 मेगाहर्ट्ज एफएम साधना रेडियो स्टेशन के माध्यम से एसी और एबीसी योजना के तहत कृषिउद्यमियों की सफलता की कहानियों का नियमित प्रसारण।

• कृषिउद्यमियों बीच कृषि उद्यमिता कौशल बढ़ाने के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।

महाराष्ट्र राज्य कृषिउद्यमी सम्मान:

• श्री राहुल बेलसारे (एमएस 5643) को वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन और विपणन में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य कृषि मंत्री द्वारा "युवा कृषि भूषण पुरस्कार" से सम्मानित किया गया; साथ ही उन्हें "प्रहार युवा शेतकारी" से भी सम्मानित किया गया।

- श्री नंदकिशोर वाथ (एमएस 4864) और श्री अमित देशमुख (एमएस 4863) को शत प्रतिशत जैव उर्वरक उत्पादन के लिए "उद्योग रत्न पुरस्कार 'से सम्मानित किया गया।
- श्रीमती संगीता सावलाके (एमएस 4783) को "महाराष्ट्र उद्योगिनी अवार्ड -2008' और 'सखी गौरव अवार्ड 2009' से सम्मानित किया गया।
- • श्री राहुल सहारे "शेटिमित्रा पुरस्कार-2010" से सम्मानित किया गया। उन्हें मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, मुंबई द्वारा "महाराष्ट्र गुनिजन रत्नगौरव पुरस्कार" से भी सम्मानित किया गया।

नोडल अधिकारी श्री के.ए.धाप्के कहते हैं , "एसी और एबीसी प्रशिक्षण कृषिउद्यमी में विश्वास, जागरूकता, योजना का निर्माण करने और कृषि व्यवसाय में भविष्य की चुनौतियों से लड़ने के लिए भी तैयार करने में मदद करता है।"

अधिक जानकारी के लिए डॉ. ए.के. धाप्के को संपर्क किया जा सकता है:

साधना कृषि विज्ञान केंद्र,एग्रि-क्लीनिक एवं कृषि व्यापार केन्द्र सेल, दुर्गापुर (बदनेरा), जिला - अमरावती, पिन : 444 701, महाराष्ट्रफोन: 0721-2580 606 (द्धए 2561 009ए मोबाइल: 09922410177, फैक्स: 0721-2580 606,pc_kvka@yahoo.co.in, acabcdurgapur@gmail.com, Skype Id: caddurgapur

श्री.ए.के. धाप्के, नोडाल अधिकारी

पुरुस्कार विजेता कृषिउद्यमियों को मैनेज की बधाई

अभिनव कृषिउद्यमि द्वारा विभिन्न विषयों, मोबाइल एग्रीकल्चर स्कूल, कृषि उद्यमियों को वर्मी खाद को बढ़ावा देने की सुविधा, किसानों की सुरक्षा के लिए हैड लैंप, एकीकृत खेती, औषधीय फसल की खेती, प्रसंस्करण और विपणन, वैज्ञानिक मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, शम कोकून शेल से आभूषणों की तैयारी, पेंगम मछली का संरक्षण, मत्स्य सलाहकार में आईसीटी, शतावरी फसल में खेती, प्रेसिजन बांस की खेती, वैज्ञानिक बकरी प्रजनन, कम लागत पशुओं के स्वास्थ्य प्रबंधन, आईपीएम में सौर आधारित प्रकाश जाल, जापानी बटेर फार्मिंग को पालतू बनाना, टमाटर की खेती में पंडाल तकनीक, खीरा और निर्यात प्रबंधन की अनुबंध खेती, कृषि मीडिया आदि पर प्रकाश डाला, वे थे श्रीमती एम. सरिता रेड्डी (वैज्ञानिक मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन), श्री. एस. सुचंद्रा सिंह (एक विलुप्त मछली नस्ल, पेंगबा का पुनर्वास) और श्री. राज किशोर सिन्हा (डेयरी के साथ एकीकृत खेती, मछली पालन, डकरे, कुक्कुट, बटेर खेती और फसल की खेती) विजेताओं ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री. पृथ्वीराज चौहान से पुरस्कार प्राप्त किया।

श्रीमती एम. सरिता रेड्डी

श्री एस.सुचंद्रा सिंह

श्री. राज किशोर सिन्हा

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

"प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि"

"कृषिउद्यमी" श्री बी श्रीनिवास, आईएएस, महानिदेशक, द्वारा प्रकाशित

हमसे संपर्क करें:

कृषि उद्यमिता विकास केन्द्र, (सीएडी)
कृषि विस्तार प्रबंधन के राष्ट्रीय संस्थान
(मैनेज), राजेन्द्रनगर, हैदराबाद,पिन-500 030, भारत
ई मेल: indianagripreneur@manage.gov.in
वेबसाइट: www.agriclinics.net
हेल्पलाइन नं. : 1800 425 1556 (टोल फ्री)
ईमेल helplinecad@manage.gov.in

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस

संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर

सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति

: सुश्री ज्योति सहारे